इटली में पंथ मंदिर की खोज

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया]

हाल ही में पुरातत्वविदों ने **इटली के टस्कनी में सासो पिनिजुटो नेक्रोपोलिस में प्राचीन एट्रस्केन सभ्यता से संबंधित 2,700 वर्ष पुराना एट्रस्केन पंथ मंदिर (या ओइकोस)** खोजा है।

- उन्होंने 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर **हेलेनिस्टिक काल (323-31 ईसा पूर्व)** तक के 120 से अधिक कक्षीय कब्रों की खोज की।

इट्रस्केन सभ्यता:

- यह **मध्य इटली (आठवीं से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व)** में **तिबर (Tiber)** और **आर्नो (Arno)** नदियों के बीच तथा **एपेनिन पर्वतों (Apennine Mountains)** के पश्चिम और दक्षिण में फली-फूली।
- यह सभ्यता, एक **साझा भाषा और संस्कृति** से एकजुट **शहर-राज्यों का एक संघ** था, जिसका **उत्तरोत्तर रोमन सभ्यता पर बहुत प्रभाव** पड़ा।

एट्रस्केन मंदिर:

- एट्रस्केन मंदिर (Etruscan temples), जो **आमतौर पर आयताकार होते थे, टफैसियस ओपस क्वाड्रेटम नींव (वर्गाकार कटे हुए टफ, एक नरम ज्वालामुखीय चट्टान से बने ठोस आधार)** पर बनाए गए थे।
- महत्त्वपूर्ण दृश्यता और प्रतीकात्मक कारणों से **इन्हें अक्सर जमीन से ऊँचाई पर रखा जाता था**, ये मंदिर आमतौर पर शवदान स्थलों के पास होते थे, जो उन्हें अंत्येष्टि प्रथाओं से जोड़ते थे।
- **धार्मिक और उत्सव के दृश्यों को दर्शाती उभरी हुई बहुरंगी मिट्टी की पट्टियाँ एक सामान्य सजावटी** विशेषता थी।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/discovery-of-cult-temple-in-italy